कृपया प्रकाशनार्थ **4 जून 2010**

पायधुनी पुलीस थाने में वीर सावरकर का स्मारक बनाएं : राम नाईक

मुंबई, शुक्रवार : पायधुनी पुलीस थाने की जिस ‘काल कोठडी’ में वीर सावरकर को बंदी बना कर रखा था वहाँ उनके सम्मान में उचित स्मारक बनाया जाए, ऐसी माँग पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने की है.

इस संदर्भ में विस्तार से जानकारी देते हुए श्री. नाईक ने कहा," हालही में ‘मुंबई समाचार’ इस गुजराती वृत्त पत्र में पायधुनी पुलीस थाने की जानकारी देने वाला वृत्त छपा था. इस वृत्त के कारण यह ज्ञात हुआ कि इस थाने के अंधेरे कमरे में अंग्रेज सरकार ने वीर सावरकर को बंदी बना कर रखा था. यह कमरा ‘काल कोठडी’ के नाम से ही जाना जाता है और फिल हाल उसे बंद ही रखा गया है. रत्नागिरी के जेल में जिस कमरे में वीर सावरकर को बंदी बना कर रखा गया था वहाँ अब सरकार ने उनका स्मारक बनाया है. उसी तरह पायधुनी पुलीस थाने में भी सावरकर जी का योग्य स्मारक बनाना चाहिए". श्री. नाईक ने याद दिलाया कि वीर सावरकर की मशहूर कविता ‘सागरा प्राण तळमळला’ को तथा मार्सेलिस के सागर में उन्होने लगायी ऐतिहासिक छलांग को सौ वर्ष पुरे हो रहे हैं. इसी अवसर पर सरकार पायधुनी पुलीस थाने में सावरकर जी के स्मारक का निर्माण करें, ऐसा अनुरोध श्री. राम नाईक ने मुख्यमंत्री श्री. अशोक चव्हाण से पत्रद्वारा किया है.

(कार्यालय मंत्री)